बटन बाल्टी आसमान

लेखनः जैकलीन ब्रिग्स् मार्टिन

चित्रः विकी जो रेडेनबॉ, भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

बटन बाल्टी आसमान

जब एनी लिवमोर ने सपने में यह देखा कि उनका पसन्दीदा बलूत (ओक) का पेड़ बीमार है, उन्हें अहसास हो गया कि उन्हें और उनके बिलौटे हैक्टर को क्या करना होगा। अपने दोस्तों हैरिएट ग्रेस और छुटके सैम के साथ एनी और हैक्टर ने सिक्सपैनी रोड के घरों के बागों और पार्कों को बलूत के शंकुओं (फलों) के लिए छान मारा। यों शुरु होती है चीजों को बोने-पनपाने, दोस्ती और पेड़ों के गीतों की यह कहानी।

अपने कोमल, काव्यात्मक गद्य से लेखिका जैकलीन ब्रिग्स् मार्टिन वर्णन करती हैं कि धीरज और देखभाल से बलूत का एक शंकु कैसे बटन के आकार से बाल्टी में उगे पौधे का आकार और तब आखिरकार एक बड़े पेड़ में तब्दील होता है। विकी जो रेडेनबॉ के रंगीन पेन्सिलों से बने चित्र इस कहानी में गहराई, रंग और विनोद का पुट भरते हैं।

छोटे पाठकों को यह जानने में मज़ा आएगा कि चार मित्र साथ मिल कर कैसे अपने उस मुहल्ले में बलूत के पेड़ वापस लाते हैं, जो उनको भूल ही चुका था। बच्चों को यह जान कर भी अच्छा लगेगा कि एनी लिवमोर ने अपनी बलूत पेड़ की नोटबुक में जो निर्देश दिए हैं, अगर वे उनके हिसाब से चलें तो वे भी एक बटन को बलूत के पेड़ में बदल सकते हैं।

बटन
बाल्टी
आसमान

बटन
बाल्टी
आसमान
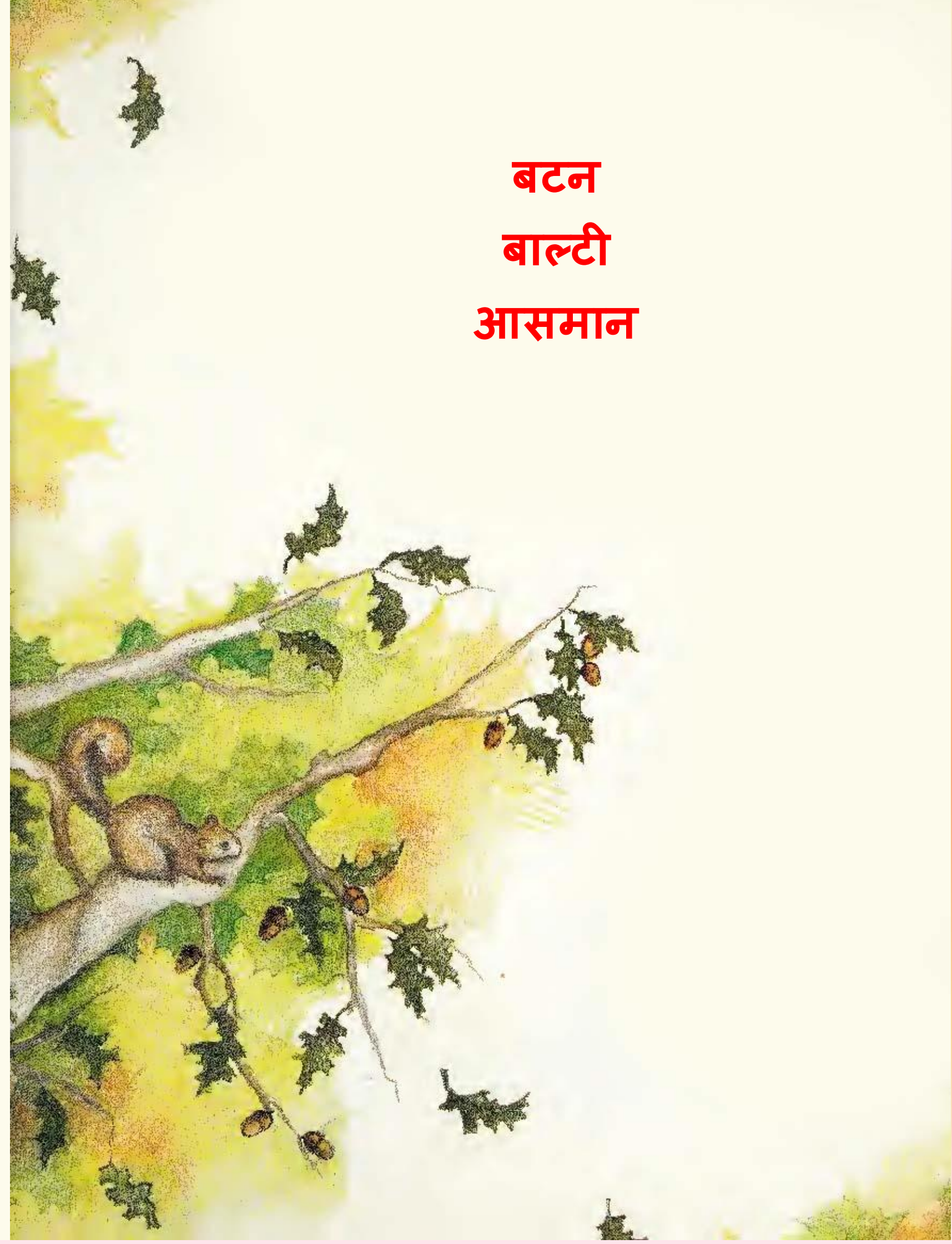
लेखनः जैकलीन ब्रिग्स् मार्टिन

चित्रः विकी जो रेडेनबॉ

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा
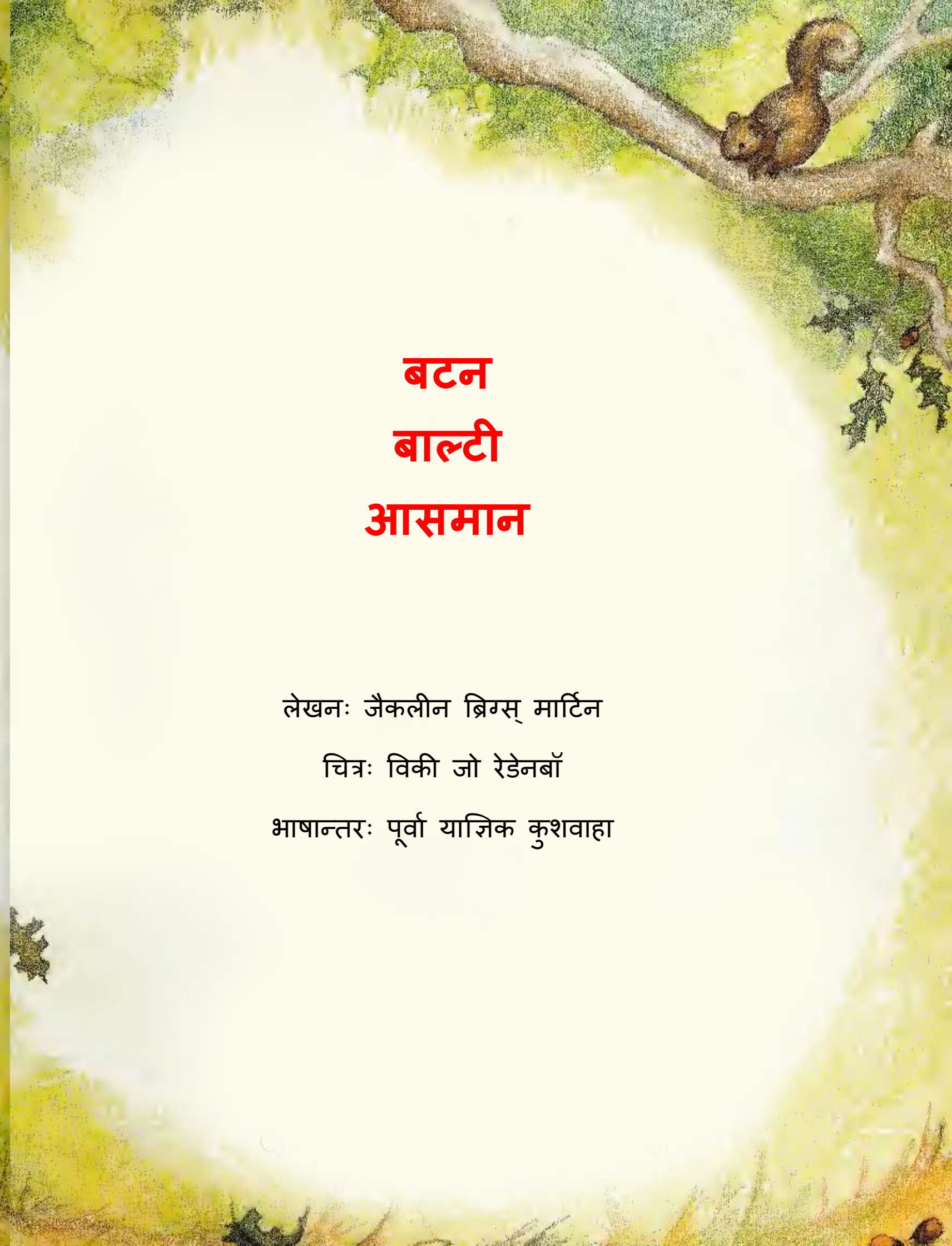
बटन

सिक्सपैनी रोड पर बने एनी लिवमोर के छोटे-से घर में हर दिन एक समान होता था। वे मुर्गी का सूप पीतीं, धागों और बटनों से अपने कपड़ों की मरम्मत करतीं, अपनी मेज़-कुर्सियों और पुराने पियानो को झाड़ती-पोंछतीं। दिन का सबसे खुशनुमा समय वह होता जब एनी और उनका बिलौटा हैक्टर, घर के बाहर अपने बड़े बलूत (ओक) के पेड़ के नीचे बैठते। एनी का कहना था कि पेड़ का अपना ही संगीत होता है। कभी-कभी ये दोनों दोस्त पेड़ की पत्तियों की सरसराहट के नीचे ऊंघ भी लिया करते।

एक दोपहर एनी लिवमोर ने सपना देखा कि बलूत का पेड़ बीमार है, सो उन्होंने पेड़ को मुर्गी का सूप दिया। पर सूप से इलाज नहीं हो सका।
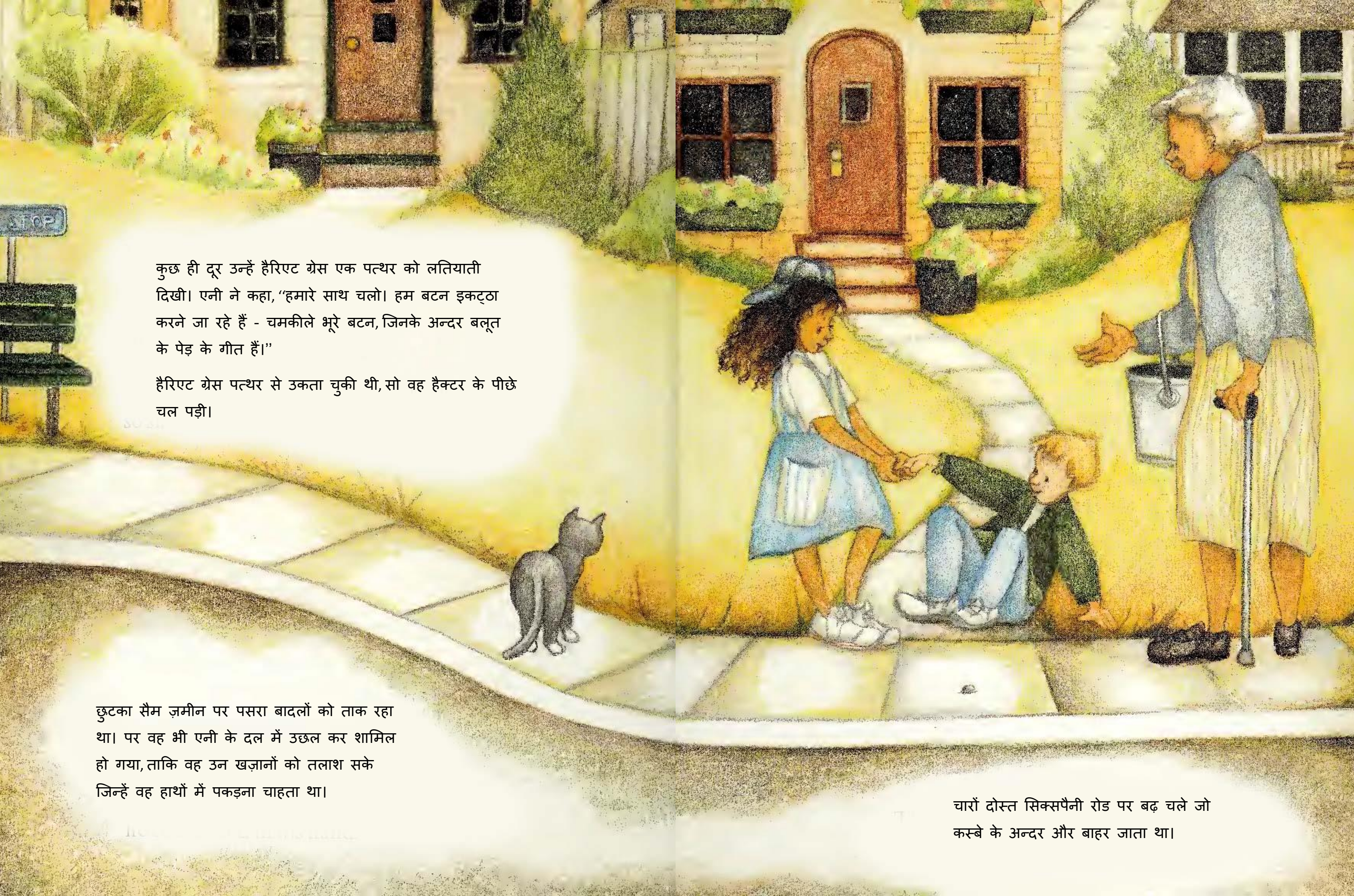
जैसे ही एनी की आँखें खुलीं, उन्होंने बलूत के पेड़ को बड़े ग़ौर से देखा, जो मुहल्ले का आखिरी बलूत का पेड़ था। और उन्हें अहसास हो गया कि उन्हें करना क्या है।
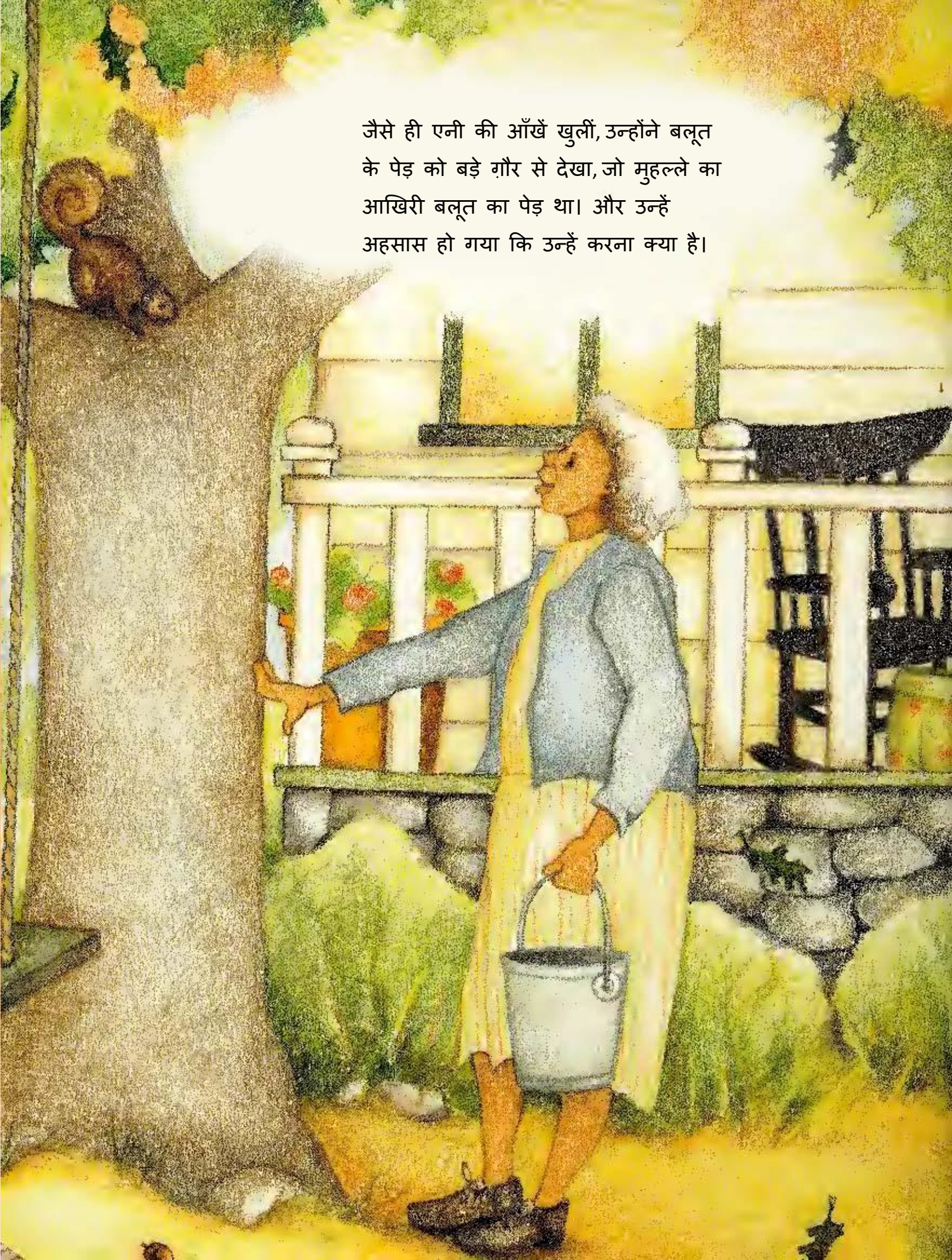
"हैक्टर, मेरे साथ चलो," वे अपने बिलौटे से बोलीं। "हम कपड़ों की मरम्मत और झाड़-पोंछ में अपना समय बरबाद करते रहे हैं। हमने अपने असली काम में बड़ी देर कर दी है।"
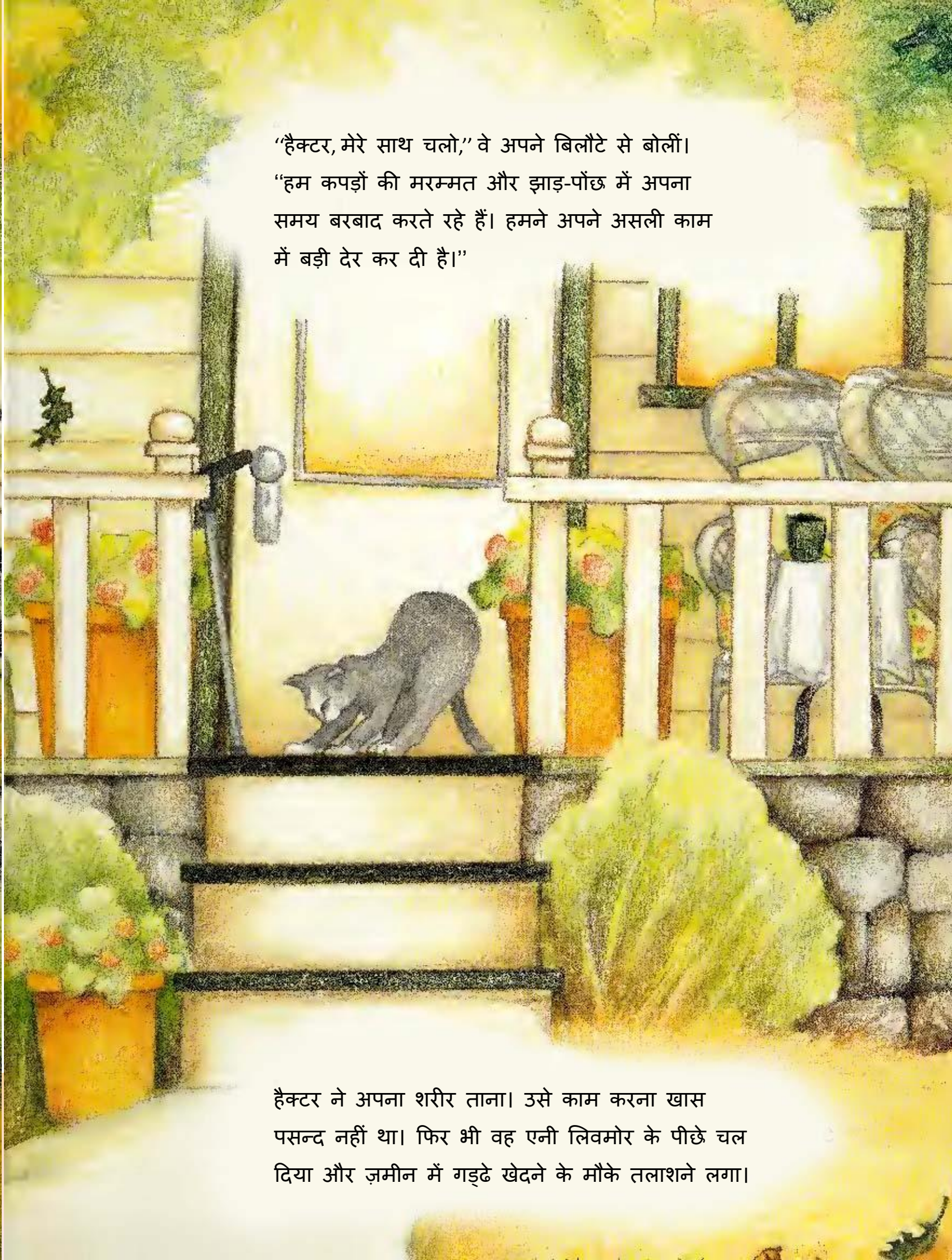
हैक्टर ने अपना शरीर ताना। उसे काम करना खास पसन्द नहीं था। फिर भी वह एनी लिवमोर के पीछे चल दिया और ज़मीन में गड्ढे खेदने के मौके तलाशने लगा।

कुछ ही दूर उन्हें हैरिएट ग्रेस एक पत्थर को लतियाती दिखी। एनी ने कहा, "हमारे साथ चलो। हम बटन इकट्ठा करने जा रहे हैं - चमकीले भूरे बटन, जिनके अन्दर बलूत के पेड़ के गीत हैं।"

हैरिएट ग्रेस पत्थर से उकता चुकी थी, सो वह हैक्टर के पीछे चल पड़ी।

छुटका सैम ज़मीन पर पसरा बादलों को ताक रहा था। पर वह भी एनी के दल में उछल कर शामिल हो गया, ताकि वह उन खज़ानों को तलाश सके जिन्हें वह हाथों में पकड़ना चाहता था।

चारों दोस्त सिक्सपैनी रोड पर बढ़ चले जो कस्बे के अन्दर और बाहर जाता था।

हैरिएट ग्रेस को उस पेड़ के नीचे बलूत के कुछ बीज शंकु मिले जिस पर लोग एक-दूसरे के लिए लिख कर सूचनाएं टांगा करते थे, और उस पेड़ के नीचे भी जहाँ दो दोस्त आवारा बिल्लियों को पिलाने के लिए दूध रखा करते थे। उसने अपनी टोपी शंकुओं से भर ली, पर वह रुकी नहीं।

छुटके सैम ने उस पेड़ के नीचे से शंकु बटोरे जहाँ एक बीरबहूटी उसकी आस्तीन पर चढ़ आई, उस पेड़ के नीचे से भी जिसके नीचे तितलियों का झुंड पतझड़ की धूप सेंक रहा था।
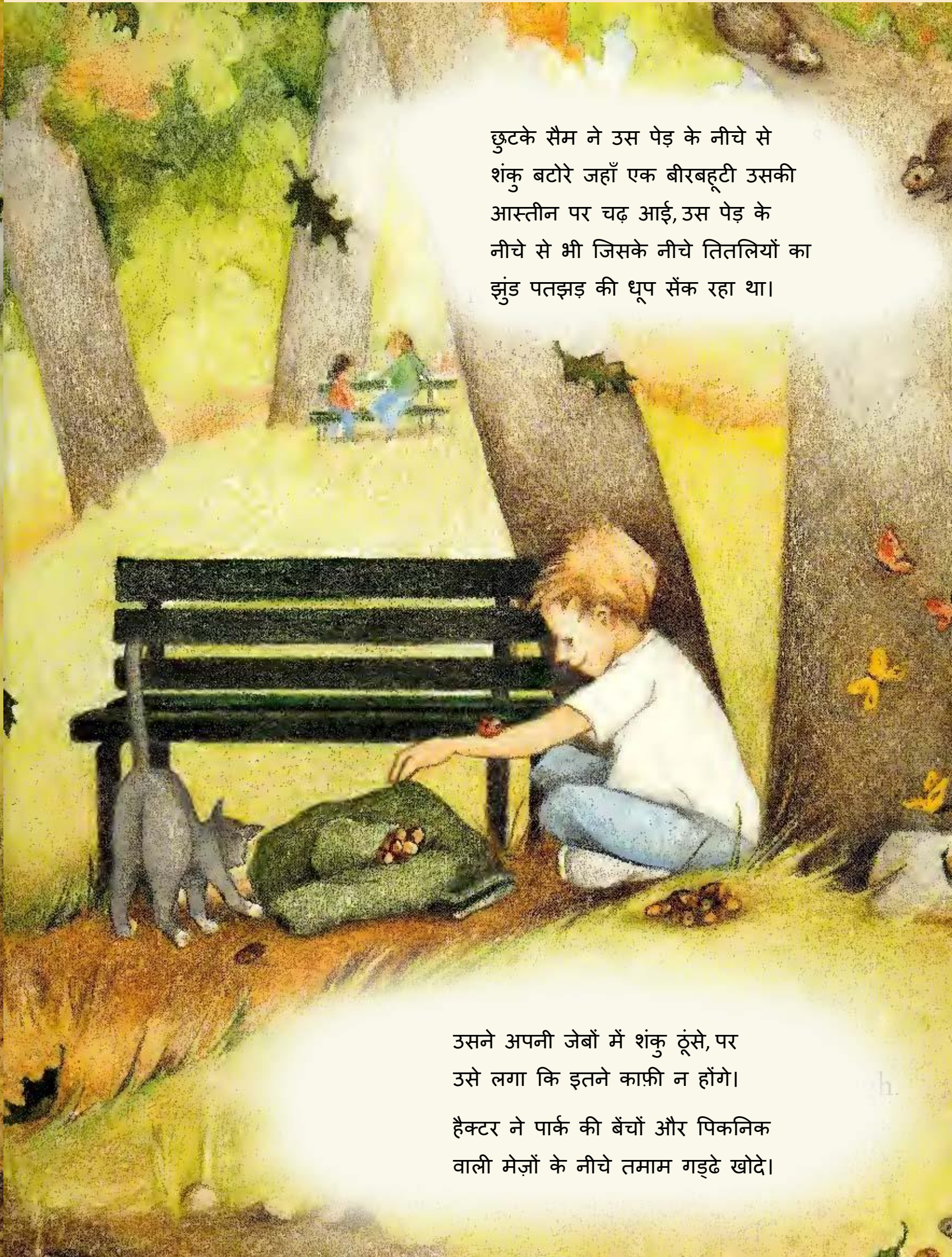
उसने अपनी जेबों में शंकु ठूंसे, पर उसे लगा कि इतने काफ़ी न होंगे।

हैक्टर ने पार्क की बेंचों और पिकनिक वाली मेज़ों के नीचे तमाम गड्ढे खोदे।

एनी लिवमोर ने उस पेड़ के नीचे से शंकु
उठाए जिसके नीचे बैठ बच्चे अचारी सैंडविच
खा रहे थे और पहेलियाँ बूझ हंस रहे थे।

उस पेड़ के नीचे जहाँ कुत्ता पूरी की
पूरी डबलरोटी चुरा ले भागा था।
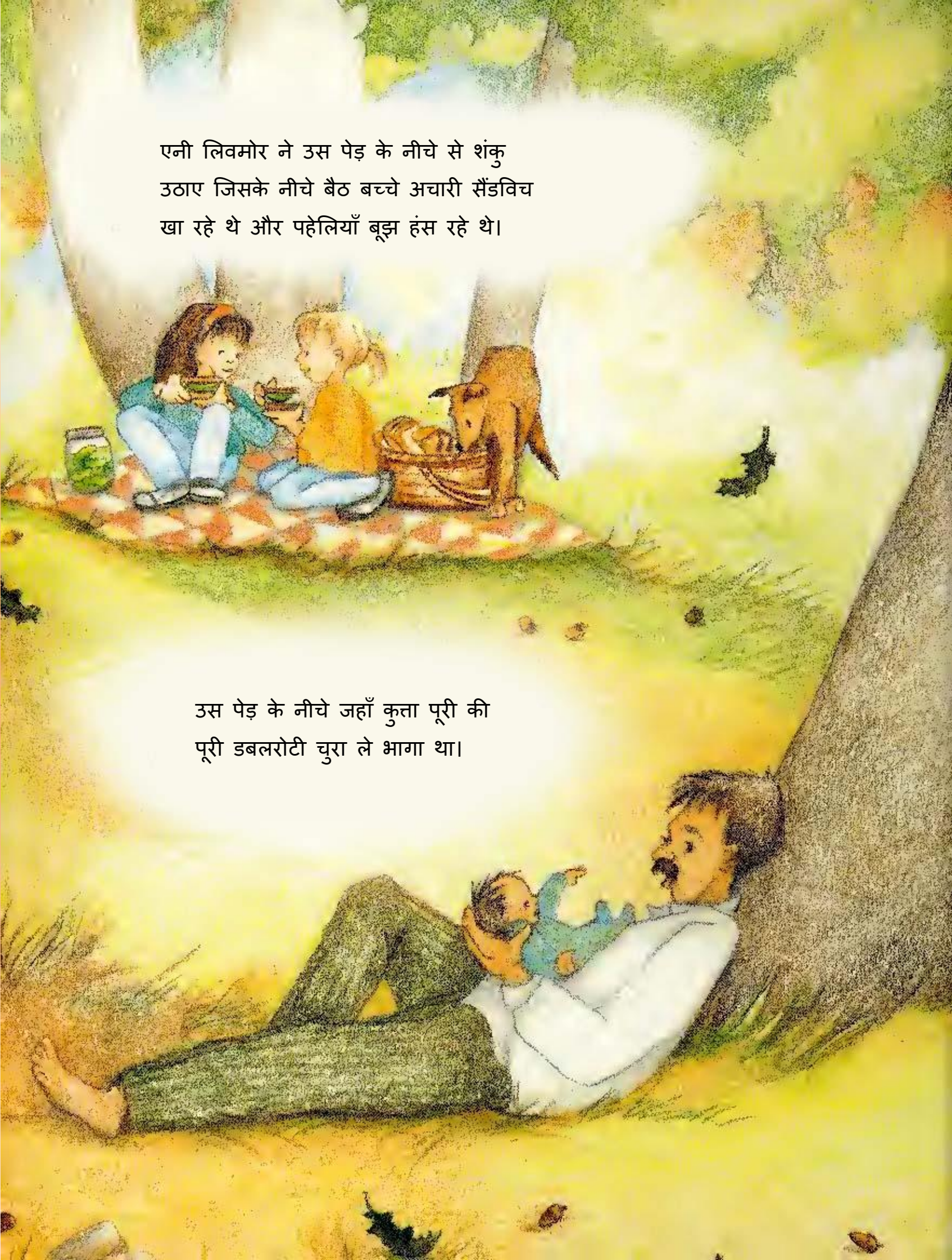
उस पेड़ के नीचे से भी जहाँ एक आदमी
रोते शिशु को गाना गा कर सुना रहा था।

सारे के सारे शंकु एनी लिवमोर के बारमदे में लाए गए। उनमें से कुछ लम्बे और पतले थे, और कुछ तो सिर्फ नाखून बराबर।

''हम शंकुओं के धनी हैं,'' छुटके सैम ने कहा।

''वे इतने सुन्दर हैं, मानो पॉलिश किए गए पियानो हों,'' हैरिएट ग्रेस बोली।

एनी ने अपना कपड़े धोने वाला बड़ा-सा तसला निकाला और उसे पानी से भर दिया। तब सारे के सारे शंकु पानी में उडेल दिए। जो शंकु तसले के पैंदे में डूब गए, उन्हें बचा लिया।

एनी ने उन्हें रेत के थैलों में भरा और अपने ठंडे तहखाने में सहेज कर रख दिया।

''हम बसन्त में इन बटनों को बाल्टियों और गमलों में बो देंगे,'' एनी लिवमोर ने समझा कर कहा।

बाल्टी

जब बर्फ पिघल गई और आहाते सिंहपर्णी के फूलों से पीले हो गए बच्चे एनी लिवमोर के घर आए।

सर्दियों भर छुटके सैम ने सिक्सपैनी रोड़ की मिठाई की दुकान से आए आइसक्रीम के डब्बे बचाए थे।

उसे एक टूटी टोंटी वाली चाय की केतली भी मिली थी।

हैरिएट ग्रेस अपने पिता का काम वाला एक जूता ले आई जिसका अगला हिस्सा घिस चुका था, और अपनी मासी लूसी की फूस वाली टोपी के अलावा एक जंग लगी बाल्टी भी लाई, जिसमें भर कर किसी समय मेंढ़क स्कूल में पहुँचाए जाते थे।
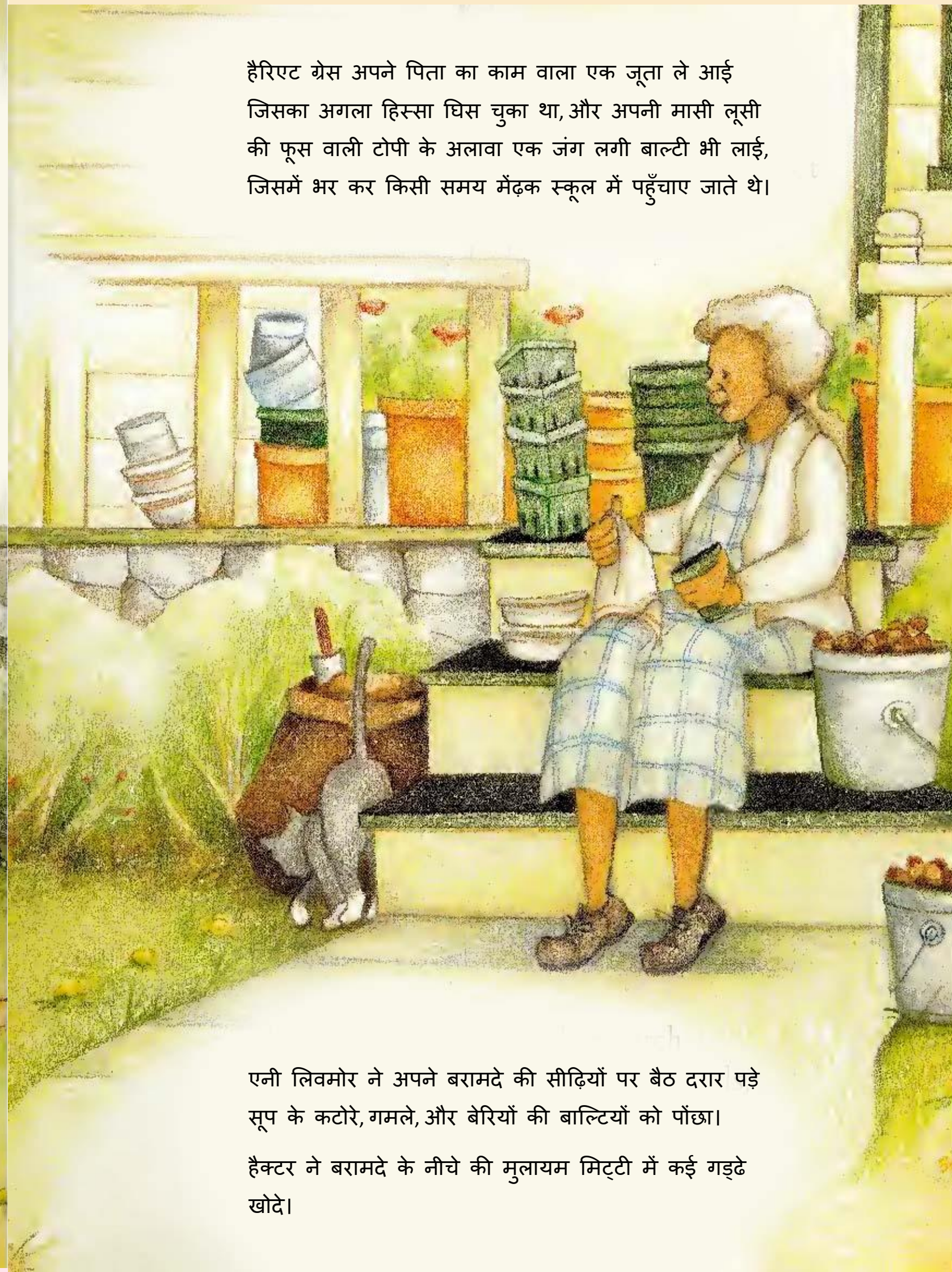
एनी लिवमोर ने अपने बरामदे की सीढ़ियों पर बैठ दरार पड़े सूप के कटोरे, गमले, और बेरियों की बाल्टियों को पोंछा।

हैक्टर ने बरामदे के नीचे की मुलायम मिट्टी में कई गड्ढे खोदे।

सभी दोस्तों ने तसलों, बाल्टियों और कटोरों में मिट्टी भरी - जूते में भी। हरेक में एक-एक बलूत का शंकु डाला और उसे मिट्टी से ढ़क दिया। कुछ सप्ताह बाद छोटे-छोटे अंकुर फूट आए।

हैरिएट ग्रेस ने कहा कि उसे तो फूटे हुए अंकुर दांत-कुरेदनी से लगते हैं। वह सोचने लगी कि क्या वे सचमें बढ़ेंगे।
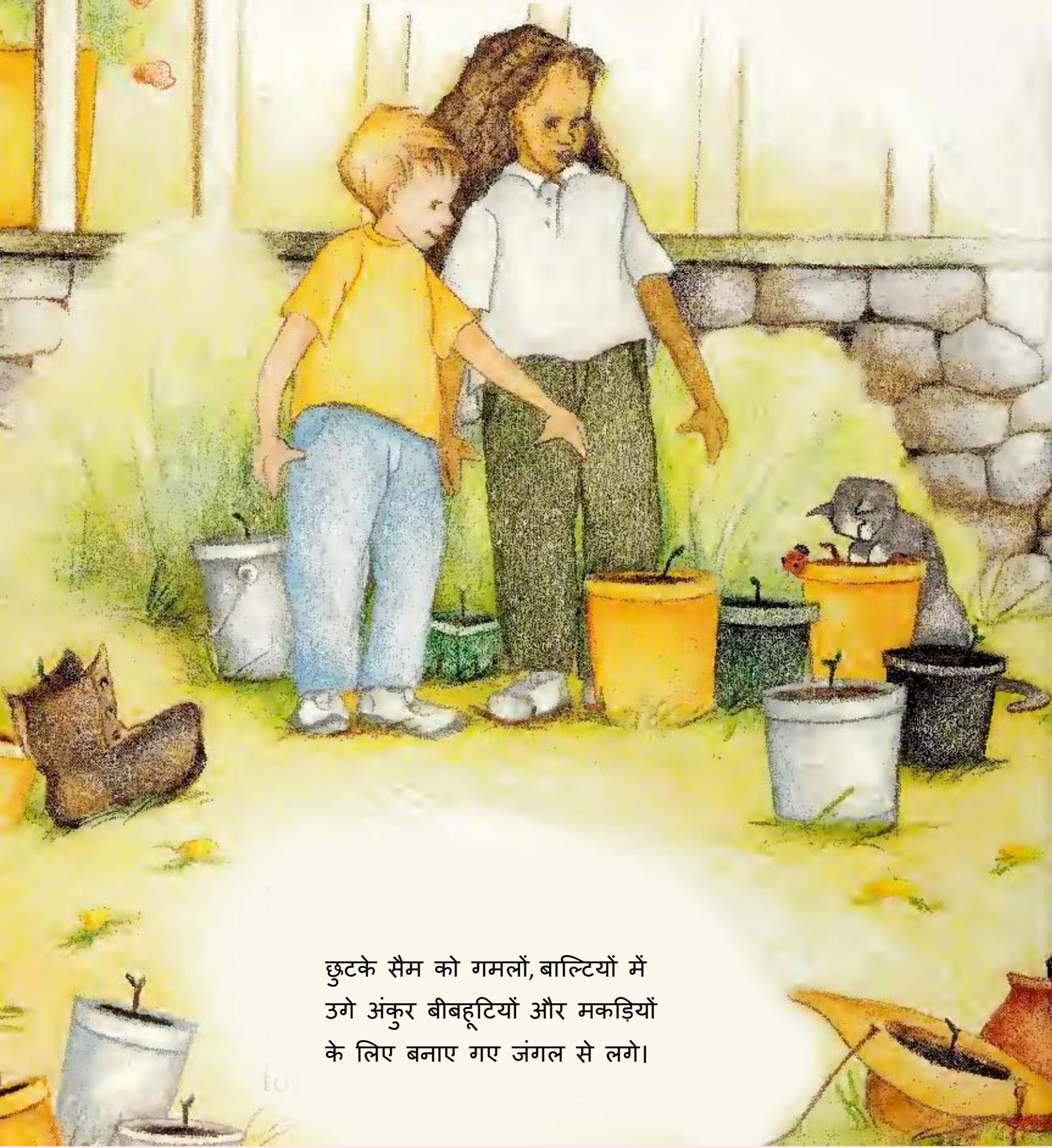
छुटके सैम को गमलों, बाल्टियों में उगे अंकुर बीबहूटियों और मकड़ियों के लिए बनाए गए जंगल से लगे।

पतझड़ का मौसम आने पर सभी बाल्टियों, गमलों और दूसरी चीज़ों में उगे पौधों को बरामदे से उतार मिट्टी में गाड़ दिया गया और तब पत्तों और घास की ढ़ेरी के नीचे दबा दिया गया।
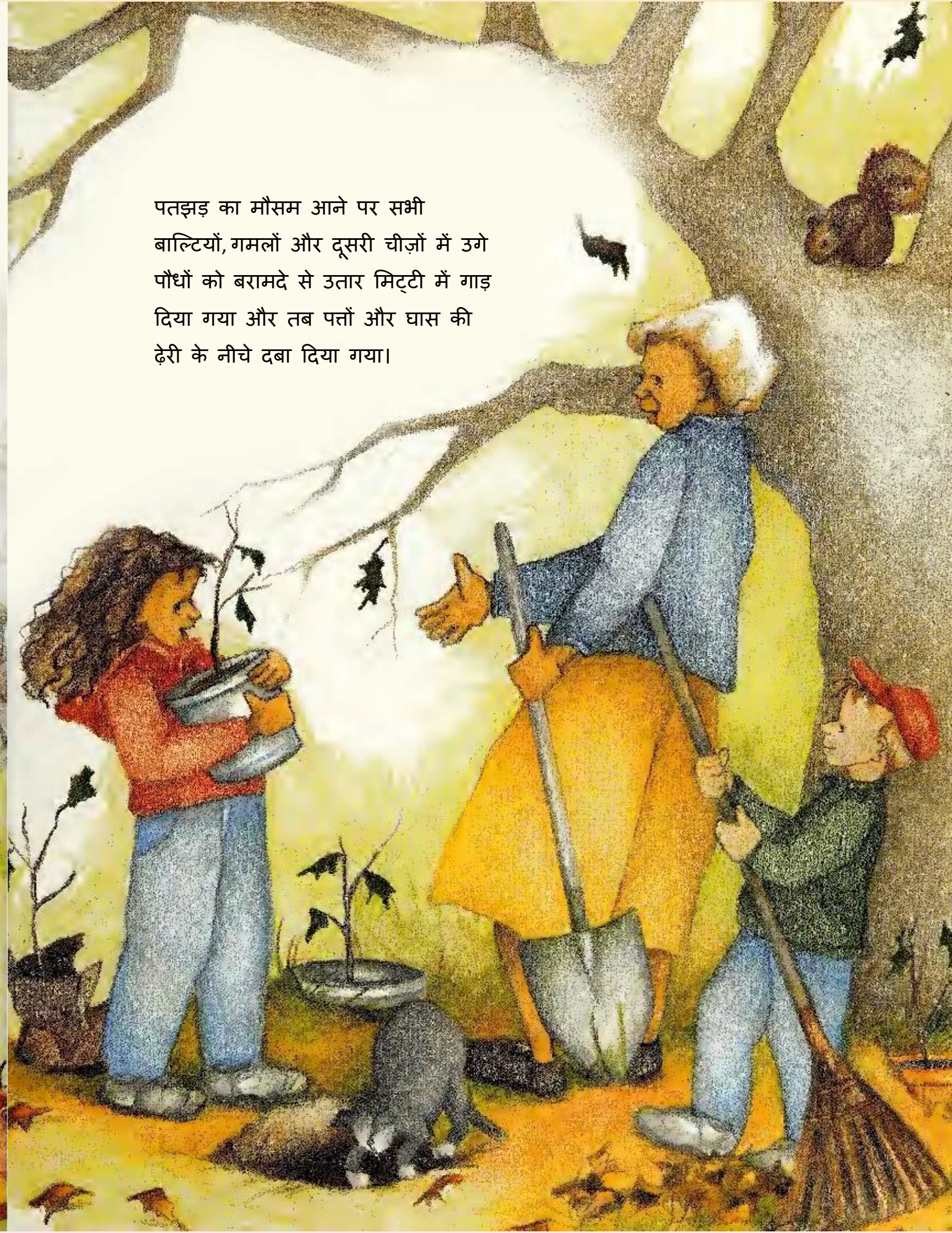
सर्दियों में जब बर्फ गिरने लगी हवा इतनी ठंडी हो गई कि परिन्दों ने उड़ना ही बन्द कर दिया।

छुटके सैम को फिक्र हुई कि बलूत के नन्हे पौधे जम ही न जाएं।

हैरिएट ग्रेस उन्हें कम्बलों से ढ़क देना चाहती थी।
पर एनी लिवमोर ने कहा कि उन पर ढकी पत्तियाँ और घास उनके बचाव के लिए काफ़ी हैं।
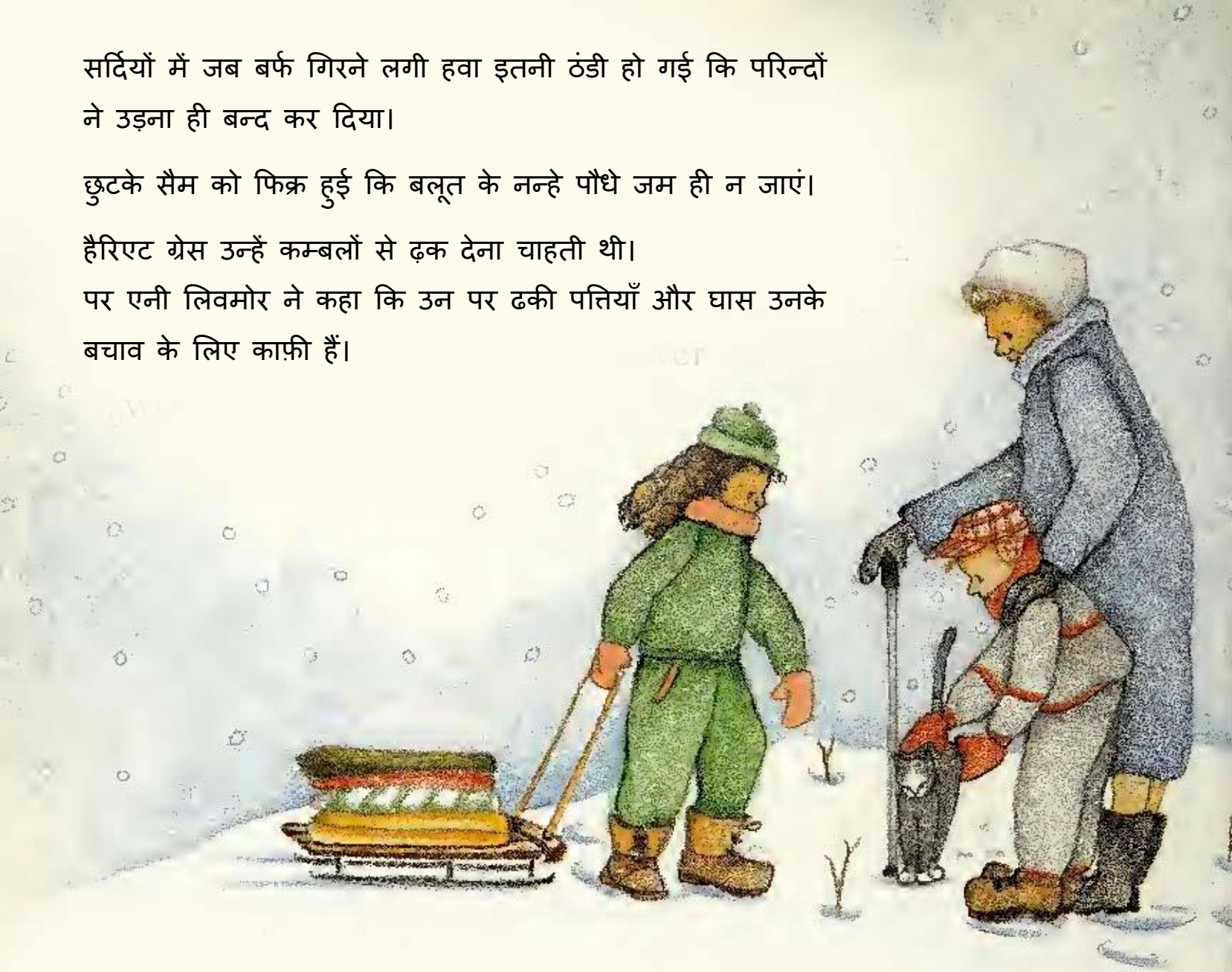
बसन्त के आने पर जब उन्होंने पत्ते और घास हटाई तो उन्हें बलूत के छोटे-छोटे पेड़ मिले।
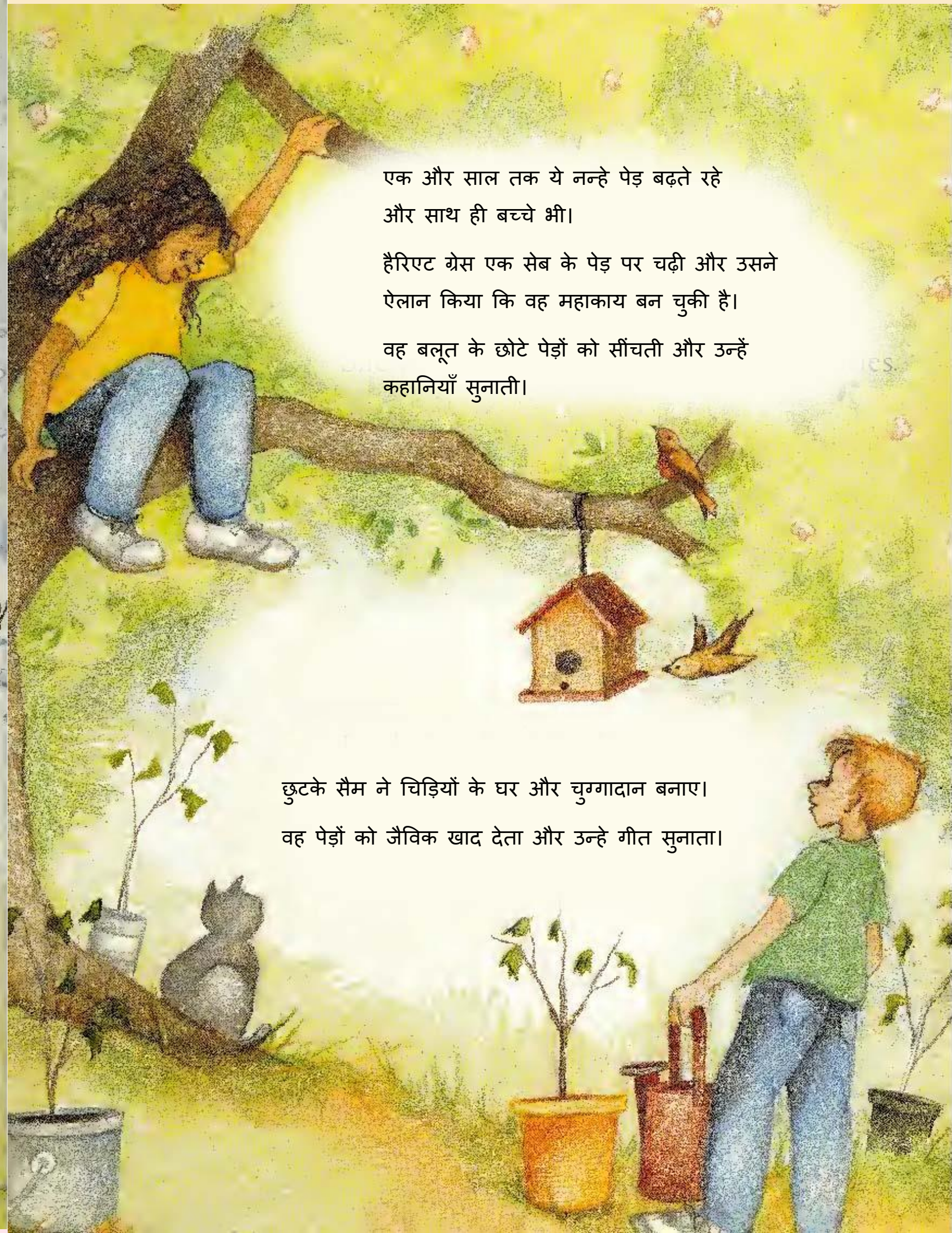
एक और साल तक ये नन्हे पेड़ बढ़ते रहे और साथ ही बच्चे भी।

हैरिएट ग्रेस एक सेब के पेड़ पर चढ़ी और उसने ऐलान किया कि वह महाकाय बन चुकी है।

वह बलूत के छोटे पेड़ों को सींचती और उन्हें कहानियाँ सुनाती।

छुटके सैम ने चिड़ियों के घर और चुग्गादान बनाए।

वह पेड़ों को जैविक खाद देता और उन्हे गीत सुनाता।

आसमान

तीसरे बसन्त के आने पर एनी लिवमोर ने कहा, "अपने पेड़ों को रोपने का समय आ गया है।

एनी, हैरिएट ग्रेस, छुटका सैम और हैक्टर सिक्सपैनी रोड पर निकल पड़े उन्होंने वे तमाम जगहें ढूंढीं जहाँ बलूत के पेड़ आराम से उग सकते थे।

हैक्टर ने सारे गड्ढे खोदे।

छुटके सैम ने बलूत के नन्हे पेड़ उन जगहों पर रोपे जहाँ पड़ौसी जैम की खाली बोतलों में पानी भर पेड़ों को पिला सकें, वहाँ भी जहाँ वे अल्ल सुबह चप्पलें पहन यह देखने निकल सकते थे कि पेड़ कुछ बड़ा हुआ या नहीं।
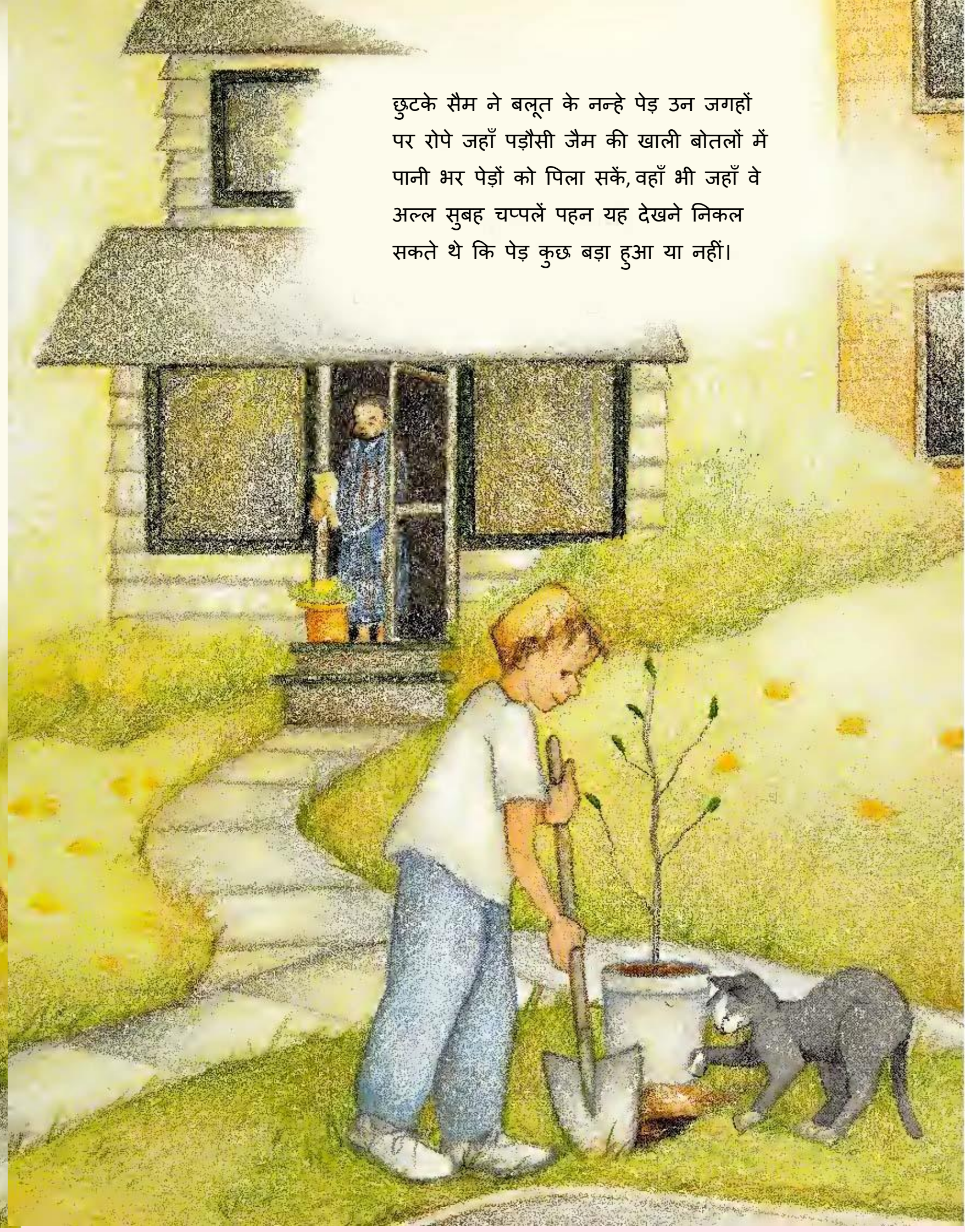
हैरिएट ग्रेस ने बलूतों को उन एकाकी जगहों पर रोपा जिन्हें पेड़ों पर फुदकने वाले पंछियों के गीतों की ज़रूरत थी।
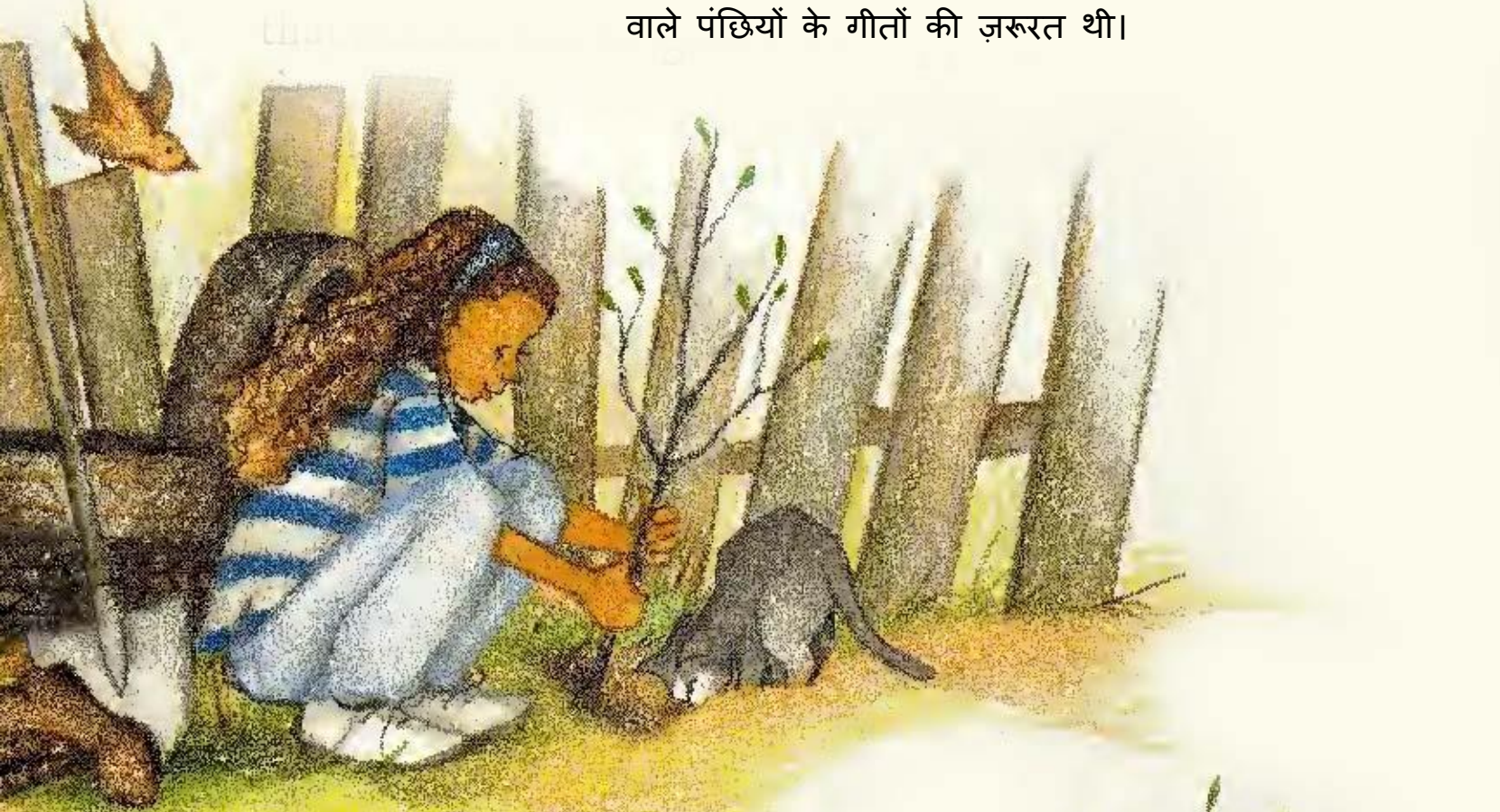
कोलाहल से भरी जगहों पर भी रोपा ताकि वे गाड़ियों और ट्रकों का शोरगुल कुछ शान्त कर सकें।
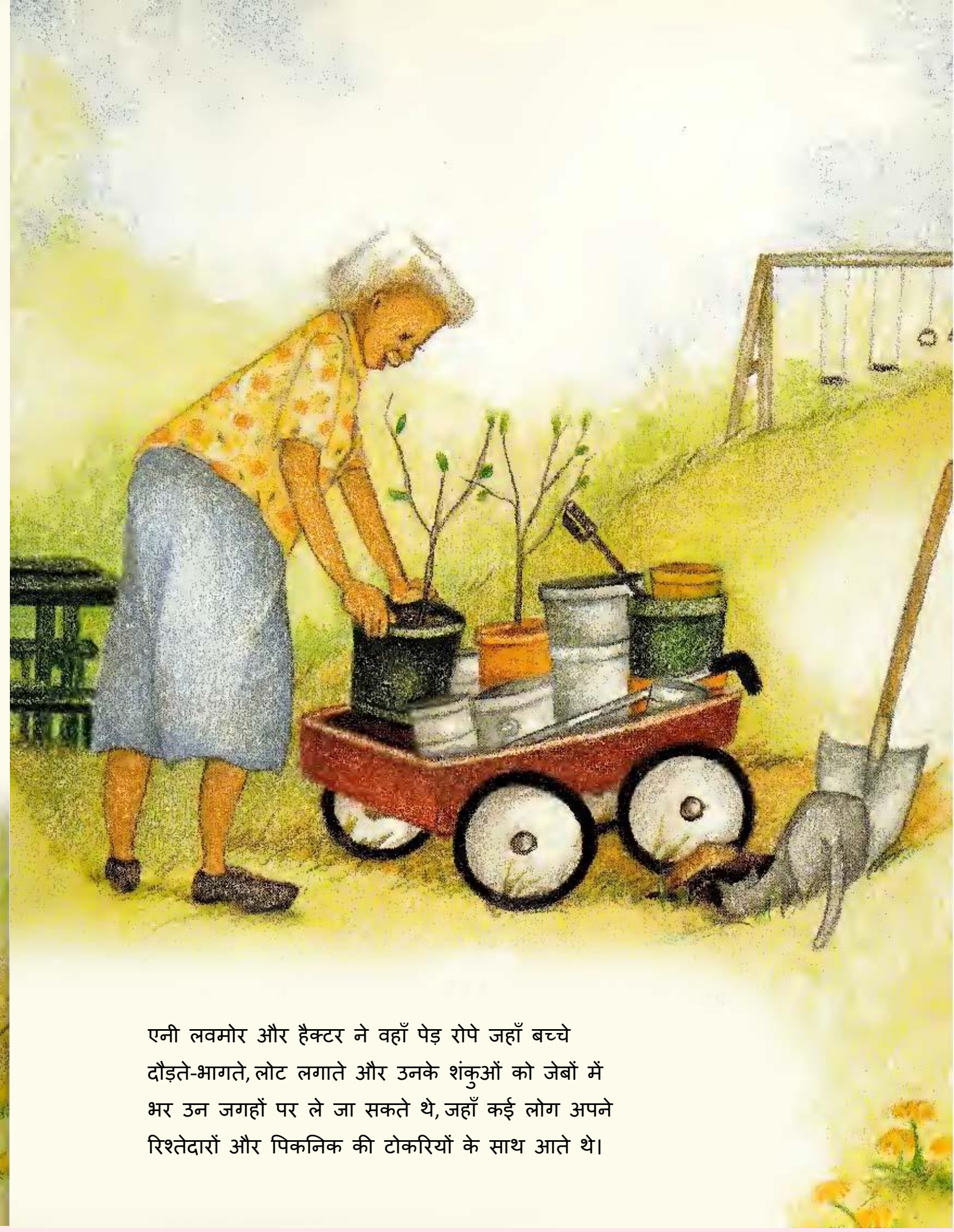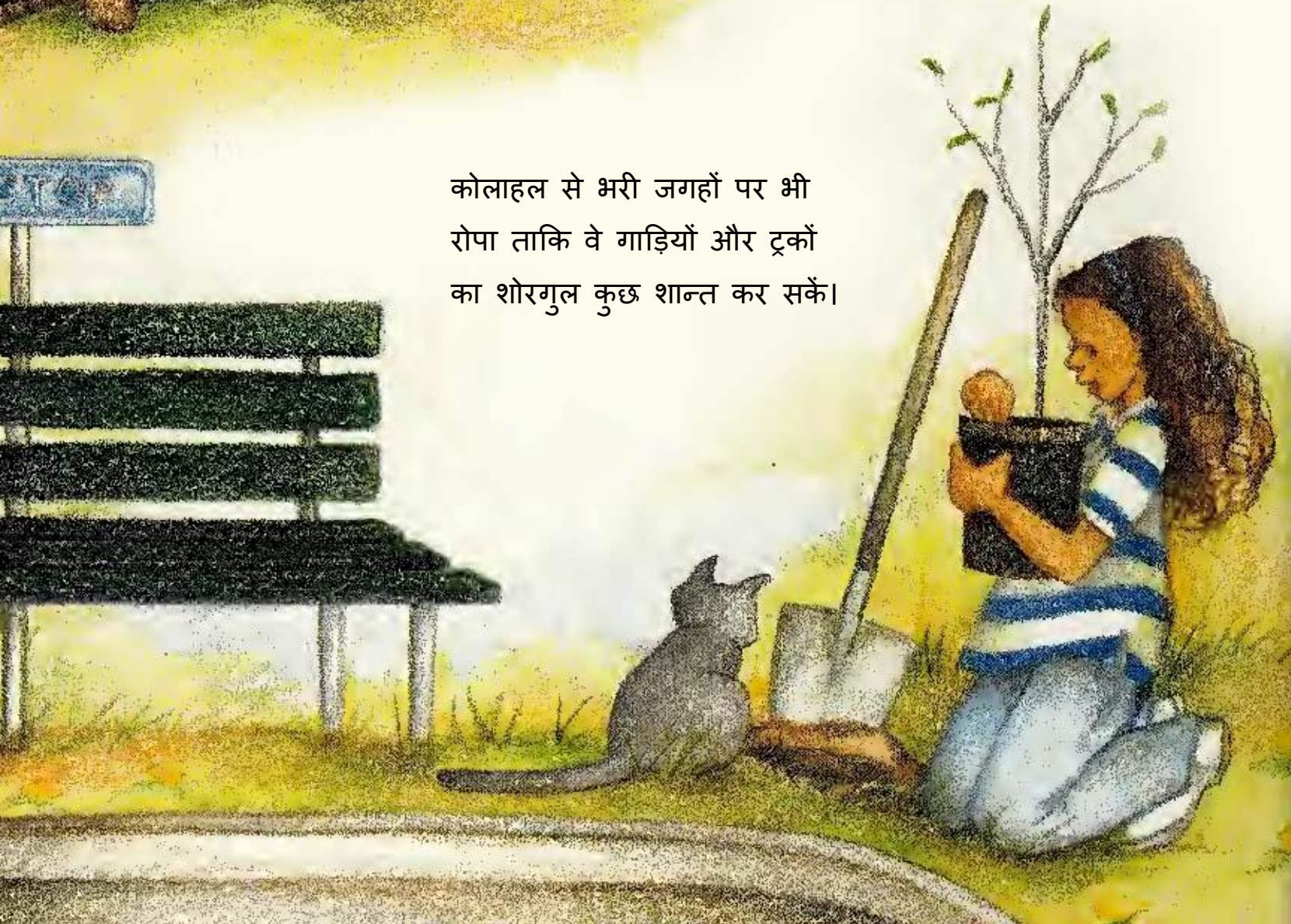
एनी लवमोर और हैक्टर ने वहाँ पेड़ रोपे जहाँ बच्चे दौड़ते-भागते, लोट लगाते और उनके शंकुओं को जेबों में भर उन जगहों पर ले जा सकते थे, जहाँ कई लोग अपने रिश्तेदारों और पिकनिक की टोकरियों के साथ आते थे।
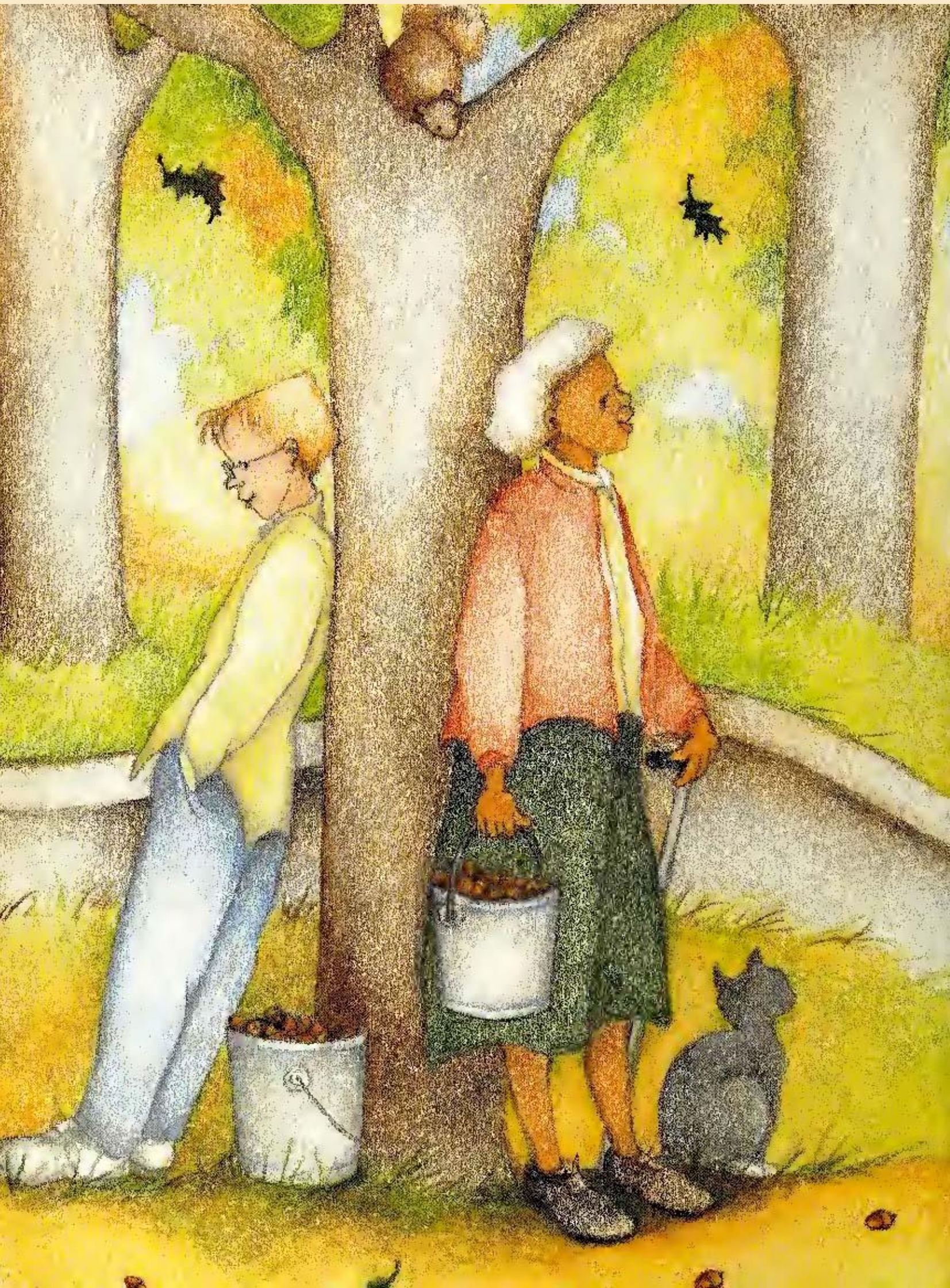
सालों गुज़रते गए। एनी लिवमोर, हैक्टर और उनके दोस्त कई बार शंकु इकट्ठा करने निकले।

हैक्टर ने दर्जनों गड्ढे खोदे।

सिक्सपैनी रोड और कस्बे में आने व जाने के रास्तों पर रोपे गए बलूत के पेड़ आसमसन की ओर बढ़ चले।

छुटके सैम और हैरिएट ग्रेस ने उन पेड़ों पर घोंसले बना रहने वाले पाखियों और पत्तों की सरसराहट का संगीत सुनना सीखा।

कई मौसम आए और गए।

एनी लिवमोर बहुत बूढ़ी हो चलीं और हैक्टर सूरज तले सबसे बूढ़ा बिलौटा बन गया।
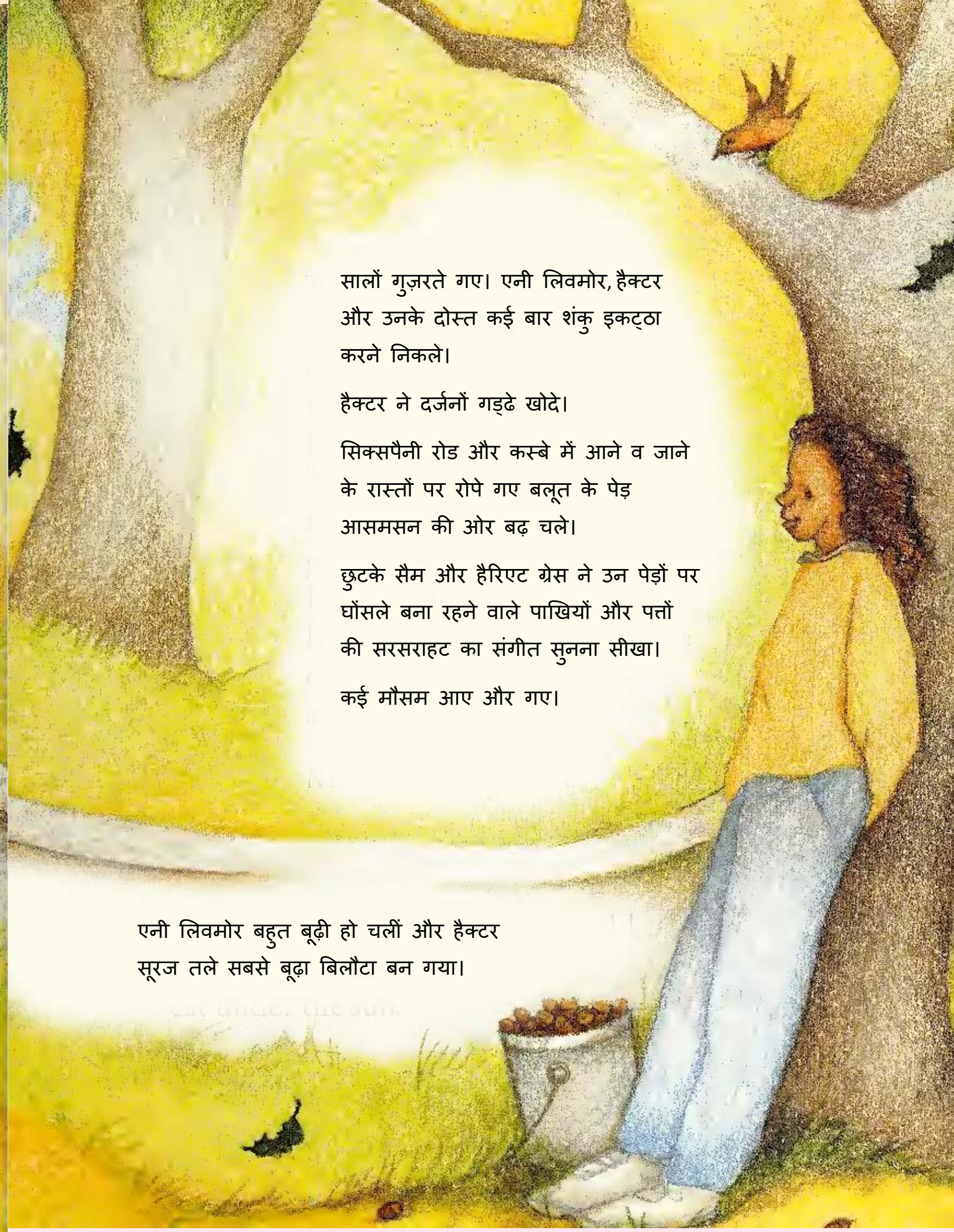
एक दिन जब एनी अपने पसन्दीदा बलूत के पेड़ के नीचे ऊंघ रही थीं, उन्हें छुटके सैम (जो अब कतई छोटा नहीं था) और हैरिएट ग्रेस ने जगा दिया। वे अपने परिवारों और करीबी दोस्तों को सिक्सपैनी रोड लाए थे ताकि वे भी बलूत के पेड़ों के नीचे घूमें-टहलें और शंकु बटोरें।
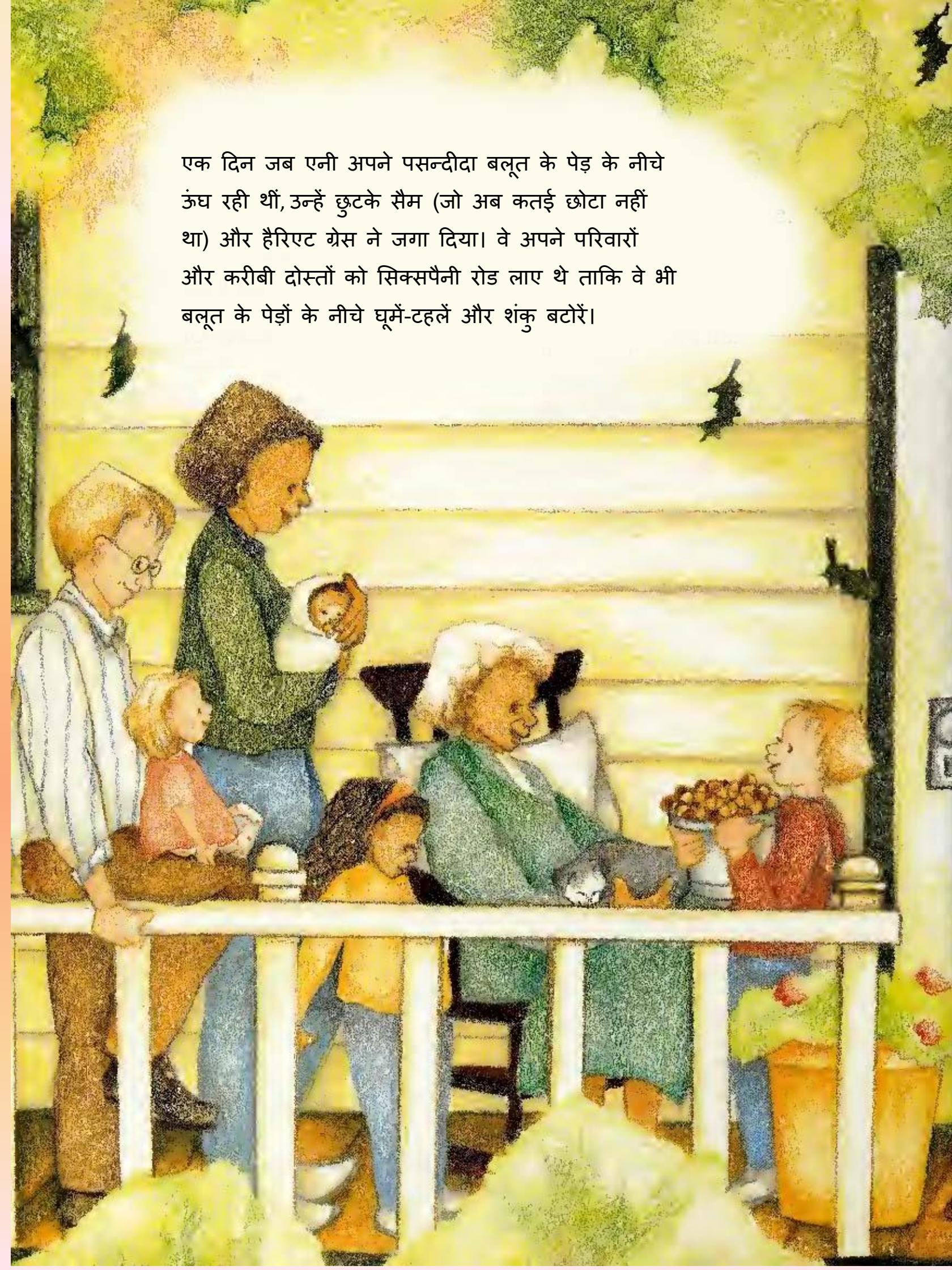
"ये बटन हैं,

जिनमें बलूत के पेड़ के गीत भरे हैं," उन्होंने कहा।

"हम उन्हें बोएंगे,

और पेड़ों का संगीत सुनने का इन्तज़ार करेंगे।"

यह सुन एनी लिवमोर मुस्कुराईं।

और सूरज तले सबसे बूढ़ा बिलौटा भी मुस्कुराया।
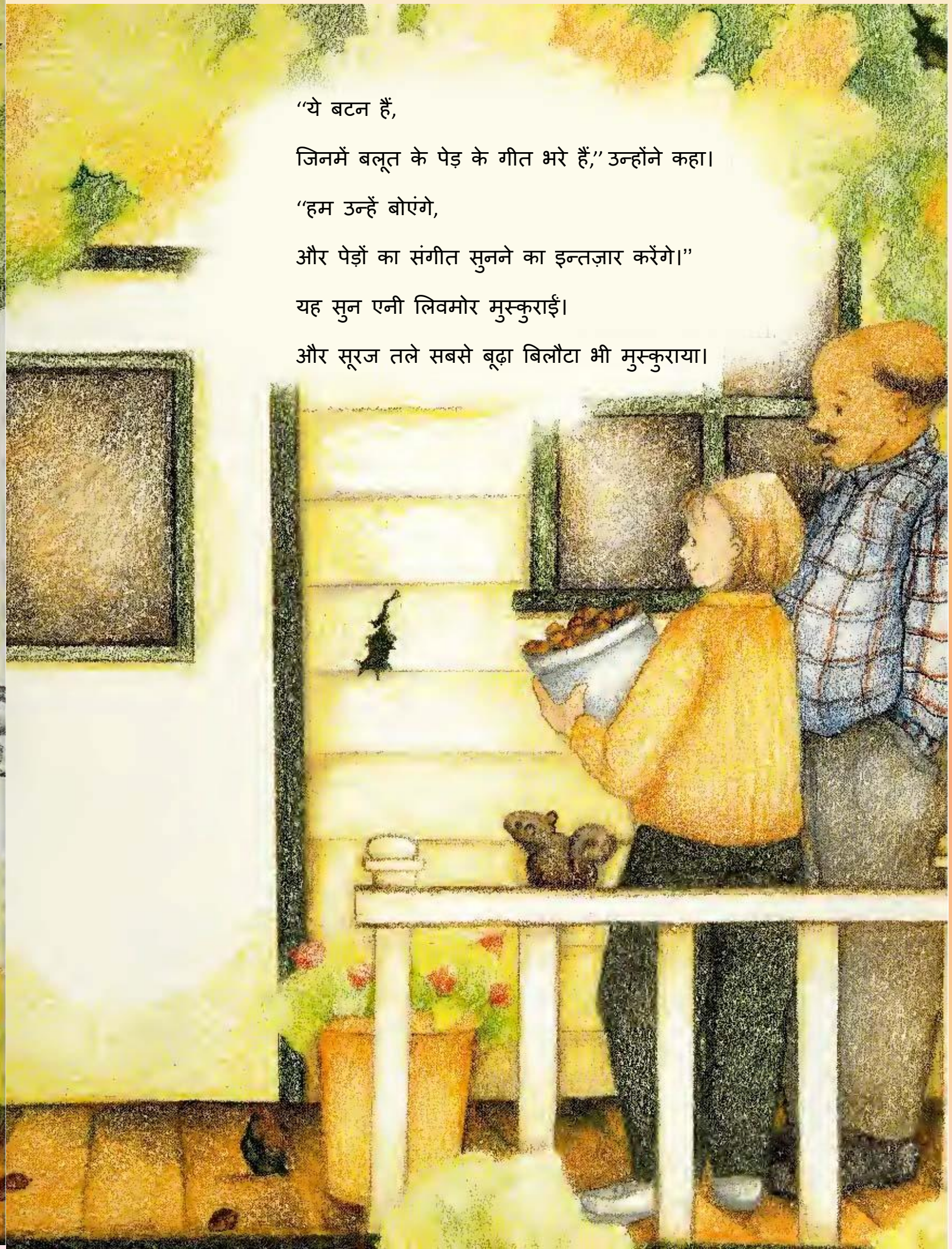
एनी लिवमोर की बलूत पेड़ की नोटबुक

पता है तुम भी बलूत के पेड़ उगा सकते हो। पर तुम्हें किसी वयस्क की मदद चाहिए होगी। सबसे पहले तो पतझड़ के मौसम में बलूत के पके हुए शंकुओं को इकट्ठा करो। वे भूरे या बैंगनी हों, पर हरे नहीं। जितने शंकुओं की ज़रूरत लगे उससे कुछ ज़्यादा इकट्ठा करना। तब इन शंकुओं को बाल्टी भर पानी में पलट देना। जो शंकु ऊपर तैर आएं वे बेकार हैं, उन्हें फेंक देना। जो तले में डूब जाएं उन्हें बचा लेना। अपने शंकुओं को सर्दियों के लिए नम जैविक खाद और मिट्टी/रेत से भरी प्लास्टिक की थैली में डाल अपने फ्रिज में रख देना। बसन्त के आने पर तुम उन्हें बो सकोगे। बोने के लिए तुम्हें बराबर मात्रा में गमले में डालने वाली मिट्टी, और जैविक खाद चाहिए होगी। एक मध्यम आकार का पात्र लेना (गमला, कटोरा, बाल्टी) जिसमें नीचे पानी निकलने के लिए छेद हो। उस पात्र को 2/3 हिस्से तक जैविक खाद और मिट्टी के मिश्रण से भरना। हर पात्र में तुम कई शंकु बो सकते हो, उसके बाद उन शंकुओं को आधे से एक ईंच मिट्टी से ढ़कना और हल्के हाथों से दबा देना। अब उसे पानी से सींचना, पर बस इतना ही पानी देना कि मिट्टी नम हो जाए, उसे कीचड़ में नहीं बदलना। अब अपने गमले या पात्र को ऐसी जगह रखना जहाँ धूप आती हो। जैसे खिड़की के पास या बरामदे में, या घर के बाहर आंगन में। जगह ऐसी हो जहाँ खोदा-खादी करने वाले पशु उसे नुकसान न पहुँचा पाएं। कुछ ही हफ्तों में शंकु अंकुरित होने लगेंगे। (कभी तो फ्रिज में रखे-रखे ही शंकु में अंकुर फूट आते हैं)। इन नन्हें पौधों को सप्ताह में एक बार पानी पिलाना, ताकि वे सूखें नहीं। और महीने में एक बार जैविक भोजन/खाद देना, दुगने पानी में घोल कर, जैसा उसके लेबल पर लिखा होगा।

जब पौधे करीब छह इंच के हो जाएं, तो हो सकता है उन्हें बड़े गमले की ज़रूरत पड़े। गमला या पात्र बदलते वक्त सावधानी बरतना। अगर गमले या बाल्टी में एक से ज़्यादा पौधे हों तो कोशिश करना कि उनकी जड़ों को नुकसान न पहुँचे। हरेक पौधे को अब एक अलग गमले में रोपना और इतनी मिट्टी डालना कि गमला ऊपर तक भर जाए। मिट्टी नम हो बस उतना भर पानी पिलाना, मिट्टी को कीचड़ न बना डालना। गमले को धूपदार पर सुरक्षित जगह रखना। जैसे-जैसे पौधा बढ़े उसे केवल तब ही पानी पिलाना जब मिट्टी सूखी लगे, और महीने में एक बार उसे दुगने पानी में घोल कर जैविक खाद देना।

जब तुम्हारा बलूत 12 से 14 इंच को हो जाए उसे स्थाई जगह पर रोपना। अगर पतझड़ के पहले वह इतना लम्बा न हुआ हो, तो गमले या पात्र को मिट्टी में गाड़ देना। गमले का ऊपरी सिरा ज़मीन की ऊपरी सतह के बराबर हो। उसे सावधानी से 4 से 6 ईंच तक की पत्तियों, घास-फूस, या लकड़ी की चिप्पियों से ढ़क देना।

बसन्त में जब मौसम गर्म हो जाए, अपने छोटे पेड़ पर डाली पत्तियाँ और घास-फूस हटा देना। अगर तुम्हार बलूत 12 से 14 इंच को हो चुका हो तो उसे किसी स्थाई जगह रोपना - जहाँ अच्छी धूप आती हो और जो दलदली न हो। पेड़ को गमले से निकाल गड्ढे में ऐसे रोपना कि उसके ऊपर वाली मिट्टी गड्ढे के ऊपरी सतह बराबर हो। अब गड्ढे को भर देना। उसके इर्द-गिर्द हल्के पैरों से चलना ताकि मिट्टी दब जाए। पेड़ को क़रीब 1 गैलन (3.7 लीटर) पानी पिलाना।

पेड़ के तने के गिर्द एक घेरे में लकड़ी के खपच्चियाँ लगाना। इससे मिट्टी में नमी बनी रहेगी और पेड़ सुरक्षित रहेगा। चाहो तो खोदा-खादी करने वाली बिल्लियों और कुत्तों से उसे बचाने के लिए एक बाड़ बना देना।

सूखे में सप्ताह में एक बार पानी ज़रूर पिलाना और महीने में एक बार दुगने पानी में घोल कर जैविक खाद देना। अपने बढ़ते पेड़ों का मज़ा लेना। हो सकता है कि लोग उन्हें देखें और यह तय करें कि वे भी पेड़ों का संगीत सुनना चाहते हैं।
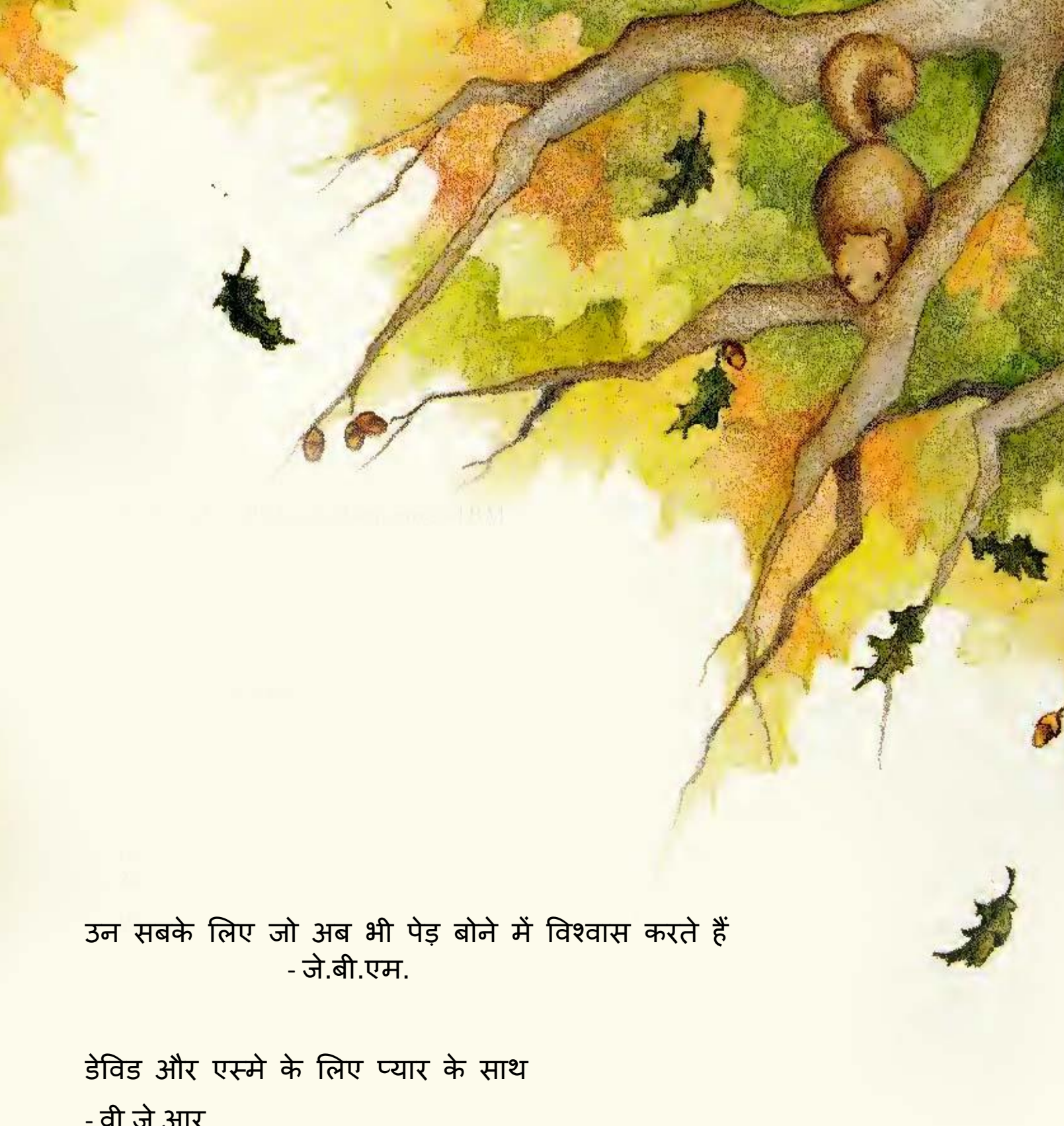
उन सबके लिए जो अब भी पेड़ बोने में विश्वास करते हैं
- जे.बी.एम.

डेविड और एस्मे के लिए प्यार के साथ

- वी.जे.आर.

जैकलीन ब्रिग्स् मार्टिन ने छोटे पाठकों के लिए कई किताबें लिखीं हैं। लिखना शुरू करने के पहले उनका बचपन किताबें पढ़ते और परिवार के फार्म पर जीवित वस्तुओं की देखभाल करते बीता था। अब वे माउन्ट वर्नोन, आयोवा में रहती हैं। जब वे कहानियाँ रचने में व्यस्त नहीं होतीं उन्हें बागवानी करने और अपने परिवार के साथ बाहर खुले में समय बिताने में और बेशक शंकुओं से बलूत के पेड़ उगाने में मज़ा आता है।

विकी जो रेडेनबॉ बेफील्ड, विस्कॉनसिन में अपने छोटे से फार्म पर अपने पति और बेटी को शंकुओ से बलूत के पेड़ उगाते देख मुग्ध हुआ करती थीं। वैसे उनके हाथ भी हरित हैं और उन्हें नीली बेरियाँ और लहसुन उगाने में मज़ा आता है। उन्होंने बच्चों की तीन अन्य किताबों के लिए भी चित्र बनाएं हैं - *ग्रीन बीन्स्, व्हैन आई एम अलोन* और पग, *स्लग एण्ड डग द थग* ।